



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि मूख	24-10-26	10	4-6

भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा के महान ऋषि थे महर्षि वाल्मीकि : कुलपति

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय में भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने अध्यक्षता की। सामाजिक विचारक सतीश ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। गोष्ठी में महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनकी शिक्षाओं और भारतीय संस्कृति एवं साहित्य में उनके अमूल्य योगदान को याद किया गया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और



हिसार। विचार गोष्ठी को संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

आध्यात्मिक परंपरा के महान ऋषि थे। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय जीवन-दर्शन, नैतिक मूल्यों और आदर्श सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट

कर्मचारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य वक्ता सामाजिक विचारक सतीश ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन को ज्ञान, साधना और आत्मपरिवर्तन की प्रेरणादायक मिसाल बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञित समाचार	24.10.26	5	6-8

महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 23 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर सामाजिक विचारक सतीश मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा के महान ऋषि थे। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय जीवन-दर्शन, नैतिक मूल्यों और आदर्श सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और आदर्शों का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ है। रामायण की शिक्षाएं आज भी समाज को सत्य, कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा, त्याग और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि



मुख्यातिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते अधिकारी।

वाल्मीकि जी के आदर्शों को जीवन में अपनाकर सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और भाईचारे को अधिक मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर शिक्षा, चरित्र निर्माण, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दे। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि

हकूति में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित

हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य वक्ता सामाजिक विचारक सतीश ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन ज्ञान, साधना और आत्मपरिवर्तन की प्रेरणादायक मिश्राल है। उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे

प्रकट दिवस हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को स्मरण करने और उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेन्द्र कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन शगुन और विभा ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	23.10.26	-----	----

हकृवि में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। गोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर सामाजिक विचारक सतीश मौजूद रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा के महान ऋषि थे। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय जीवन-दर्शन, नैतिक मूल्यों और आदर्श सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और आदर्शों का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ है। रामायण की शिक्षाएं आज भी समाज

को सत्य, कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा, त्याग और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों को जीवन में अपनाकर सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और भाईचारे को अधिक मजबूत किया जा सकता है। मुख्य वक्ता सामाजिक विचारक सतीश ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन ज्ञान, साधना और आत्मपरिवर्तन की प्रेरणादायक मिसाल है। डॉ. पवन कुमार ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को स्मरण करने और उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, सामाजिक सद्भाव, समानता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना ही महर्षि वाल्मीकि के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	23.10.26	-----	----

हकूवि में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय में सृष्टिकर्ता भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कार्यक्रम के उद्घाटन मुख्य अतिथि शिरका की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने की। गोष्ठी में मुख्य बक्ता के तौर पर सामाजिक विचारक सतीश मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज कार्यक्रम ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक परंपरा के महान ज्योतिष हैं। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय जीवन-दर्शन, नैतिक मूल्यों और आदर्श सामाजिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और आदर्शों का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ है। रामायण की शिक्षाएं आज भी समाज को सत्य, कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा, त्याग और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के आदर्शों को जीवन में अपनाकर सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और भाईचारे को अधिक मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की



शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्य बक्ता सामाजिक विचारक सतीश ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन ज्ञान, साधना और आत्मपरिवर्तन की प्रेरणादायक मिसाल है। उनकी रचनाएं समाज की नैतिकता, सदाचार, समानता और मानवीय मूल्यों का संदेश देती हैं। भगवान श्रीगणेश की चरित्र मर्यादा एवं कर्तव्यनिष्ठा, महा

सौता का जीवन धैर्य एवं दृढ़ संकल्प तथा रामायण के अन्य प्रसंग मानव जीवन को सकाशत्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर शिक्षा, चरित्र निर्माण, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने सभी को

स्वागत करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को स्मरण करने और उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, सामाजिक सद्भाव, समानता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना ही महर्षि वाल्मीकि जी का प्रति सन्देश है। उन्होंने सभी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने

और आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति एवं महान विभूतियों के योगदान से परिचित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेन्द्र कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन शत्रुगुण और विभा ने किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिन्दू	24-10-26	7	3-4

एचएयू में विचार गोष्ठी

‘रामायण केवल महाकाव्य नहीं, जीवन जीने की कला’



हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विचार गोष्ठी पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज को स्मृति चिह्न भेंट करते अधिकारी। -हप

हिसार, 23 अक्टूबर (हप)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय में महर्षि वाल्मीकि प्राक्टिस दिवस पर भव्य विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और

आध्यात्मिक परंपरा के महान ऋषि थे। उनके द्वारा रचित रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और नैतिक मूल्यों का मार्गदर्शन करने वाला अमर ग्रंथ है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया। मुख्य वक्ता सतीश ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन आत्मपरिवर्तन और साधना की मिसाल है।